

**श्री नरेन्द्र मोदी (क्रमागत):** हमने एक मिशन मोड में काम किया। करीब 500 से अधिक जिलों में बहुत ही नॉमिनल चार्ज पर यह डायलिसिस का मूवमेंट चलाया है। अब वहाँ तक हम पहुँचे हैं, अब तक की मेरी जानकारी है कि करीब 22 लाख से ज्यादा डायलिसिस के सेशंस हुए। ये सारे मानवता की दृष्टि से करने वाले काम हैं, जिन पर हमने बल दिया है। एलईडी बल्ब के कारण क्या लाभ हो रहा है, यह आप भली-भाँति जान रहे हैं। हजारों करोड़ रुपये मध्यम वर्ग की जेब में बच रहे हैं, करीब-करीब 15 हजार करोड़ रुपये बच रहे हैं।

राष्ट्रपति जी ने एक विषय अपने भाषण में कहा है और उस विषय में मेरा मत है कि यह कोई सरकार का काम नहीं है और न ही यह किसी दल का काम है, बल्कि देश की जिनको चिन्ता है, ऐसे सभी लोगों का यह काम है और इस सदन में बैठे हुए हर किसी का काम है तथा सबका बराबर काम है। वह विषय राष्ट्रपति जी ने स्पर्श किया। पहले जब प्रणब दा राष्ट्रपति थे, तब उन्होंने भी उल्लेख किया था और इससे पहले भी कई लोगों ने इस विषय पर अपने विचार रखे हैं। वह है- लोक सभा और विधान सभाओं के चुनाव साथ करवाना। यह ठीक है कि राज्य सभा में जो आते हैं, उनको यह चुनाव की आपा-धापी क्या होती है ...(व्यवधान)... जो लोक सभा और राज्य सभा दोनों में आये हैं, उनको पता है। कुछ लोग पराजित होकर बाद में राज्य सभा में पहुँचते हैं, उनको भी यह अनुभव है कि क्या कठिनाई रहती है, लेकिन कभी सोचना होगा ...(व्यवधान)... कभी सोचना होगा कि एक स्वस्थ परम्परा हो, क्योंकि भारत का लोकतंत्र काफी मैच्योर हुआ है। क्या हम सब हिम्मत करके एक स्वस्थ परम्परा की

दिशा में जा सकते हैं? मैं कहना चाहता हूँ कि 1967 तक यह चला है। लोक सभा और विधान सभा चुनाव साथ हुए हैं। यह लगभग 1967 तक चला है। उसमें शायद एक-दो अपवाद हो सकते हैं, लेकिन यह चला है। उस समय किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई, लेकिन बाद में किसी न किसी राजनीतिक कारणों से असंतुलन पैदा हुआ और आज हम देखते हैं कि एक चुनाव आया, वह पूरा हुआ तो दूसरे की तैयारी हो जाती है, दूसरा पूरा होता है, तो तीसरा..। अब इसका दबाव केन्द्र सरकार पर और राज्य सरकारों पर रहता है। फेडरल स्ट्रक्चर के अन्दर एक सुखद एट्मॉस्फेयर होना चाहिए। चुनाव के चार-छः महीने हम समझ सकते हैं कि तू-तू, मैं-मैं चल जाए, लेकिन चार-साढ़े चार साल तो कम से कम हम मिल-बैठ कर देश के लिए काम कर सकें, हमारी पूरी शक्ति काम में लगे, उस दिशा में हमें काम करना चाहिए। मैं चाहता हूँ कि उस दिशा में एक व्यापक चर्चा हो। आप देखेंगे कि अब जब लोक सभा का चुनाव होगा, तो चार राज्य उसके साथ हैं- आंध्र, तेलंगाना, अरुणाचल और ओडिशा। कठिनाइयाँ क्या हैं, वह हम भली-भाँति जानते हैं। 2009 में लोक सभा के चुनाव में करीब-करीब 1,000 करोड़ खर्च हुए। 2014 में यह करीब-करीब 4,000 करोड़ पर पहुँचा। यानी यह 1,000 से 4,000 हो गया। इतना ही नहीं, 2014 के बाद एसेम्बली के जो चुनाव हुए हैं, उनमें अब तक करीब-करीब 3,000 करोड़ खर्च हुए। अब हम यह कल्पना कर सकते हैं कि भारत जैसा देश, जहाँ गरीबों के लिए बहुत कुछ पहुँचाना अभी हमारी जिम्मेवारी है, हमारे यहाँ चुनावों के अन्दर 9,30,000 पोलिंग स्टेशंस पर एक करोड़ से ज्यादा लोगों की ड्यूटी लगती है, बहुत बड़ी मात्रा में सिक्योरिटी फोर्स चुनाव प्रबंधन में ही लगी रहती हैं, सिक्योरिटी के मामले में नये-नये चैलेंजेज उभरते जाते हैं और हमारी फोर्स

बस उसी काम में लगा रहती है। यह पक्ष-विपक्ष से परे का विषय है। देशहित के विषय में, हो सकता है कि इसमें मतभेद भी हो, लेकिन तर्क की चर्चा तू-तू, मैं-मैं से न हो, एक प्रामाणिक पवित्रता से हम बहस करें, मिल-बैठ कर कोई रास्ता खोजें। मुझे लगता है कि हम इसे आगे बढ़ाने में सफल हो सकते हैं। हमने ऐसे बहुत से निर्णय किये हैं, जिनसे दुनिया के देशों को बहुत अजूबा लगता है कि जहाँ इतनी पार्टियाँ हों, वहाँ ऐसा निर्णय हो सकता है! लेकिन इसी सदन में बैठे हुए लोगों ने भूतकाल में किये हैं।

(4बी/वीएनके पर जारी)

VNK-YSR/4B/5.05

**श्री नरेन्द्र मोदी (क्रमागत):** श्रेष्ठ निर्णय किए हैं, आने वाली पीढ़ियों को लाभ पहुंचाने वाले निर्णय किए हैं। मैं समझता हूँ कि फिर एक बार दोनों सदन में बैठे हुए सभी महानुभावों के सामने एक बड़ा सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि हम इसको करें।

माननीय सभापति जी, सभी महानुभावों ने कई विषय उठाए हैं। राष्ट्रपति जी का अभिभाषण अपने आपमें पूर्ण अभिभाषण है। दिशा क्या है, गति क्या है, इरादे क्या हैं और सामान्य मानवी के हितों की दिशा में हम कैसे आगे बढ़ रहे हैं, जितनी समय सीमा रहती है, उसमें उसका एक खाका रख सकते हैं, वह रखने का उन्होंने प्रयास किया है। हम सब सर्वसम्मति से आदरणीय राष्ट्रपति जी के अभिभाषण को स्वीकृति दें और धन्यवाद प्रस्ताव पारित करें। इसी एक अपेक्षा के साथ अपना समर्थन देते हुए, मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ, बहुत-बहुत धन्यवाद।

(समाप्त)

**श्री सभापति :** धन्यवाद, प्रधान मंत्री जी। अन्तोनी जी।

**(MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair)**

**SHRI A.K. ANTONY (KERALA):** I am sorry to say that the statement of the Prime Minister that your Government has taken a decision on *One Rank, One Pension* is factually wrong. The decision on *One Rank, One Pension* was taken by the UPA Government headed by Dr. Manmohan Singh. My colleague, Shri P. Chidambaram, in his Budget Speech in February 2014 announced that our Government's agreeing to the long-pending demand of service personnel of *One Rank, One Pension* and that it would be implemented from 1.4.2014 onwards. After that, within a few days, I took a meeting with all the three Vice-Chiefs of the armed forces and Defence Secretary and Secretary, Defence Finance, and we had clarified what means *One Rank, One Pension*. *One Rank, One Pension* means the service personnel, who served in the Armed Forces, of the same rank with the same length of service, whichever may be their date of retirement, they will get the same pension. It was our decision, and in the same meeting, we took a decision. We directed the Secretary, Defence Finance, to seek more funds from the Finance Ministry because we needed substantial increase.

...(Interruptions)... That decision was taken by our Government and we had also taken steps to implement that decision.

(Ends)

---

**Pp 264 onwards will be issued as supplement.**

**MOTION OF THANKS ON PRESIDENT'S ADDRESS – (CONTD.)**

**THE MINISTER OF LAW AND JUSTICE (SHRI RAVI SHANKAR PRASAD):**

Sir, these clarifications are not allowed. ...(Interruptions)...

**THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI ARUN JAITLEY):** Sir, how can this be allowed? ...(Interruptions)... It was Rs.11,000 crore...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I shall now put the Amendments to vote. ...(Interruptions)...

**SHRI ANAND SHARMA:** It was not a regular Budget. ...(Interruptions)... The Budget had to come after...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I shall now put the Amendments, which had been moved, to vote. ...(Interruptions)... Amendment (Nos.1 to 75) and Amendment (Nos.78 to 81 had been moved by Shri Vishambhar Prasad Nishad. Are you withdrawing the Amendments?

**श्री विशम्भर प्रसाद निषाद:** माननीय उपसभापति जी, हमने जो संशोधन रखे थे, वे बहुत महत्वपूर्ण थे। वे बुंदेलखंड की समस्या के बारे में थे, क्योंकि राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में बुंदेलखंड को छोड़ दिया गया है, जब कि वहां लोग आत्महत्याएं कर रहे हैं, वहां से लोग पलायन कर रहे हैं, वहां बहुत विकट समस्या है, पीने के पानी की समस्या है। इन तमाम समस्याओं को लेकर हमने ये संशोधन रखे थे।

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Are you pressing or withdrawing the Amendments? ...(Interruptions)...

**श्री विशम्भर प्रसाद निषाद :** महोदय, हम यह उम्मीद करते थे कि जब माननीय प्रधान मंत्री जी अपना उत्तर देंगे, तब वे बुंदेलखंड के बारे में कहेंगे, लेकिन बुंदेलखंड के लोग हताश और निराश हो गए, बुंदेलखंड का किसान ठगा रह गया। आज वहां का किसान बरबाद हो गया है।

**श्री उपसभापति :** अब तो प्राइम मिनिस्टर का reply हो गया, इसलिए मैं आपसे यह पूछना चाहता हूँ कि आप withdraw करते हैं या नहीं करते हैं?

**श्री विशम्भर प्रसाद निषाद :** महोदय, चलिए हम withdraw करते हैं।

*The Amendment (Nos.1 to 75 and 78 to 81) were, by leave, withdrawn.*

(Followed by VKK/2L)

-YSR/VKK-NKR/4C/5.10

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Now, Amendment (Nos.91 to 95) by Shri V. Vijayasai Reddy.

**SHRI V. VIJAYASAI REDDY:** Sir, the mike is not working.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Just check it.

**SHRI V. VIJAYASAI REDDY:** Sir, I will proceed. Sir, consequent on bifurcation of the State of Andhra Pradesh, whatever injustice has been meted out to the people of Andhra Pradesh can be remedied by only one

person in this country who is none other than the Prime Minister of this country – the hon. Prime Minister Shri Narendra Modi.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Are you pressing or withdrawing?

**SHRI V. VIJAYASAI REDDY:** Sir, I request the hon. Prime Minister to kindly grant special category status to the residuary State of Andhra Pradesh so that justice can be done to the people of Andhra Pradesh. Yes, I press my Amendments.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Okay. I shall now put Amendment (Nos. 91 to 95) by Shri V. Vijaysai Reddy to vote. The question is:

91. That at the *end* of the motion, the following be *added*, namely:—  
“but regret that the Address does not mention about the grant of Special Category Status to the residuary State of Andhra Pradesh inspite of the assurance given by the then Prime Minister on the floor of Parliament on 20th February, 2014 and the then Union Cabinet decision on 3rd March, 2014.”
92. That at the *end* of the motion, the following be *added*, namely:—  
“but regret that the Address does not mention about the Government’s commitments made in Schedule 10 of the Andhra Pradesh Reorganisation Act, 2014 including establishing a Railway Zone headquartered at Visakhapatnam, an Integrated Steel Plant at YSR District, a port at Duggirajapatnam etc., in Andhra Pradesh.”
93. That at the *end* of the motion, the following be *added*, namely:—



“but regret that the Address does not mention about the Government’s commitment to bear the complete costs of the Polavaram National Project at the current, post-2014, price levels.”

94. That at the *end* of the motion, the following be *added*, namely:—  
“but regret that the address does not mention about fulfillment of the assurance given to the successor State of Andhra Pradesh that package for backward districts of Rayalaseema and North Andhra region would be given on the lines of Bundelkhand in UP and MP and KBK districts in Odisha, as mentioned in the Andhra Pradesh Reorganisation Act 2014.”
95. That at the *end* of the motion, the following be *added*, namely:—  
“but regret that the Address does not mention that the Government is committed to greater political participation of women by securing passage of the Constitutional Amendment Bill for the reservation of seats for women in Parliament and State Legislatures at the earliest.”

***The Amendment (Nos.91 to 95) were negatived.***

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Now, we shall take up Amendment (Nos.96 to 107) by Shri Naresh Agrawal.

**श्री नरेश अग्रवाल :** उपसभापति जी, सदन में माननीय अमित शाह जी और अरुण जेटली जी बैठे हुए हैं। इस देश के निर्माण में खाली एक दल की भूमिका नहीं रही है।  
..(व्यवधान).. प्रधान मंत्री जी एक ही दल को सारा क्रेडिट देने की कोशिश करते हैं।  
..(व्यवधान).. मैंने किसी के बेटे को फंसाने के लिए नहीं कहा। मैंने कहा कि जो कानून

बनाते हैं, जब उनके बेटे फंसते हैं तो वे दार्ये-बार्ये देखने लगते हैं। ..(व्यवधान).. मैंने किसी के बेटे को फंसाने के लिए बात नहीं कही थी। मैं अपने अमेंडमेंट्स वापस कर रहा हूँ।

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Okay.

*The Amendment (Nos.96 to 107) were, by leave, withdrawn.*

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Now, we shall take up Amendment (Nos.108 to 188) by Dr. T. Subbarami Reddy.

**DR. T. SUBBARAMI REDDDY :** Sir, I want to draw the attention of the President of BJP, Shri Amit Shah. The Telugu people are very, very unhappy and also upset and angry with BJP, and as President of BJP, you must solve their problem. Now, a new capital has to be built. Till today, you have not given sufficient funds. Every time the Finance Minister says that he is giving; the Finance Secretary is coming for discussion. But, that is not sufficient. We have seen that every day, there are agitations in the House by all political parties for giving more funds.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Are you pressing or not?

**DR. T. SUBBARAMI REDDY:** Sir, I have a chance to speak on this occasion. I have 80 Amendments, not one or two. Therefore, I would like to draw the attention of the Finance Minister also to see that justice is done to the six crore people of Andhra Pradesh. Otherwise, Amit Shahji, आपका

नुकसान हो जाएगा, तेलुगु लोगों के मन में बी.जे.पी. का नाम खराब हो जाएगा। आप ऐसा मत करिए। I Do justice. I am not pressing the Amendments.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Okay.

*The Amendment (Nos.108 to 188) were, by leave, withdrawn.*

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Now, we shall take up Amendment (Nos.194 to 217) by Shri Kiranmay Nanda.

**श्री किरनमय नन्दा (उत्तर प्रदेश) :** मैंने जो अमेंडमेंट्स दिए थे, प्रधान मंत्री जी के जवाब में, उनमें से किसी का कुछ रिप्लाय नहीं मिला। तब भी परम्परा के अनुसार, मैं अपने अमेंडमेंट्स withdraw करता हूँ।

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Okay.

*Amendment (Nos.194 to 217) were, by leave, withdrawn.*

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Now, we shall take up Amendment (Nos.218 to 231) by Shri T.K. Rangarajan.

(Followed by BHS/4D)

-VKK/BHS-DS/4D/5.15

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** Sir, I press Amendment (No. 228).

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** So, the other Amendments you are withdrawing!

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** Other Amendments I am withdrawing.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Therefore, let me first do that.  
...(Interruptions)...

**SHRI D. RAJA:** Sir, in this regard.....(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** It is not your Amendment. ...(Interruptions)...

**SHRI D. RAJA:** I have an Amendment (No. 245) ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I will come to you. ...(Interruptions)...

**SHRI D. RAJA:** Sir, Amendment (No. 245) is a similar Amendment.  
...(Interruptions)... It is the same Amendment. I will read out. “but regret that the Address does not mention about the delay in passing the legislation...”

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** *Rajaji*, let us not confuse. ...(Interruptions)... I will come to your Amendment. At that time, you say that.

**THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI GHULAM NABI AZAD):** Sir, it is the same Amendment. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** At that time, you can say, ‘similar Amendment is withdrawn.’ That is enough. ...(Interruptions)... Now, let me do with it.  
...(Interruptions)...

**SHRI GHULAM NABI AZAD:** We are asking for the voting together.  
...(Interruptions)... Amendments are the same. So, why do you not put it together? ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** No, No. ...(Interruptions)... Are you also pressing? ...(Interruptions)...

**SHRI GHULAM NABI AZAD:** Yes, he is also pressing. ...(Interruptions)... Amendments are same. ...(Interruptions)... Why do you not club these together and have voting together? ...(Interruptions)...

**SHRI D. RAJA:** Sir, it is Amendment (No. 245). That is what I am saying. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I have to see Amendment (No. 245). ...(Interruptions)...

**SHRI D. RAJA:** I can read that out for the benefit of the House. ...(Interruptions)...

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** This Government is much worried about women. Just now, the Prime Minister also spoke about women. ...(Interruptions)...

**SHRI D. RAJA:** Sir, it is Amendment (No. 245). ...(Interruptions)...

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** My point is this. It is a long pending demand. ...(Interruptions)... This House had already passed it and because the other House did not pass it, it lapsed. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** One second. ...(Interruptions)... Let me see. ...(Interruptions)...

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** All the BJP Members had supported it. ... (Interruptions)... Now, let me see. I am pressing the Amendment (No. 228). ... (Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Okay, Mr. Rangarajan. ... (Interruptions)... There is no problem. ... (Interruptions)... You can press. Let me do my job. ... (Interruptions)...

**SHRI D. RAJA:** Sir, Amendment (No. 245). ... (Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** No. ... (Interruptions)... His Amendment (No. 228) is, "That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:- "but regret that there is no mention in the Address about the Government's failure to pass Women Reservation Bill." It is Amendment (No. 228). And yours is?"

**SHRI D. RAJA:** Sir, it is Amendment (No. 245).

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Amendment (No. 245). ... (Interruptions)... Let me see whether it same. ... (Interruptions)... Let me see. Amendment (No. 245) is, "That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:- "but regret that the Address does not mention about the delay in passing the legislation on Reservation for women in the Parliament and State Assemblies." Let me see, one second. No, both are not same.

**SHRI D. RAJA:** It is the same Sir.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** No, you see. ...(Interruptions)... One is, “but regret that there is no mention in the Address about the Government’s failure to pass...” The other is, “but regret that the Address does not mention about the delay in passing...” Both are materially different. ...(Interruptions)...

**SHRI D. RAJA:** No, Sir. ...(Interruptions)... The idea is the same. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Both are materially different. ...(Interruptions)...

**SHRI HUSAIN DALWAI:** Sir, my Amendment is also the same. ...(Interruptions)...

**SHRI D. RAJA:** The idea is the same. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** What about you? ...(Interruptions)... I will get your case. ...(Interruptions)... Mr. Raja, I will call your name. Then, you deal with that. ...(Interruptions)...

**SHRI HUSAIN DALWAI:** Sir, my Amendment is also the same. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Okay, what is the number of your Amendment? ...(Interruptions)...

**SHRI HUSAIN DALWAI:** Amendment (No. 302). ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** '302' is a very dangerous number. ... (Interruptions)... Amendment (No. 302) is, "but regret that the Address does not mention about the lack of interest of the government to introduce the Women's Reservation Bill..." That is also different. That is about introduction. ... (Interruptions)... You cannot club like that. You can only club if both are substantially and materially the same. These three are different. One is about intention of introducing. The other is about the delay, so I will have to take them separately. So, let me come to Amendment (Nos. 218 to 231) by Shri Rangarajan, out of which he is only pressing Amendment (No. 228). Therefore, let me first..... (Interruptions)... Are you withdrawing? ... (Interruptions)...

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** No, I am pressing. ... (Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Except Amendment (No. 228), the remaining you are withdrawing! ... (Interruptions)... Therefore, you say that. ... (Interruptions)...

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** I am pressing for Amendment (No. 228).

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** But you have to say that you are withdrawing others. ... (Interruptions)... No, No. ... (Interruptions)... You have to say that you are withdrawing the other Amendments. ... (Interruptions)...



**SHRI T.K. RANGARAJAN:** Sir, I am withdrawing others but pressing for Amendment (No. 228).

**THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI ARUN JAITLEY):** I do not think, in principle, Members of the House have any difficulty accepting the suggestion. Therefore, let me assure my learned friends who have moved this, since all three are different, we will again try and call meeting with all political parties and try and evolve a consensus to see that if it is possible on this issue. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Okay, do you agree? ...(Interruptions)...

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** No, Sir. We have sufficiently waited. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** He has given an assurance. ...(Interruptions)...

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** Sir, we have sufficiently waited. ...(Interruptions)... Only after putting this Amendment, the Government says that it will create a consensus. I am pressing this.

(Contd. by RL/4E)

-BHS/RL-MCM/5.20/4E

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Okay, all right. ...(Interruptions)...

**SHRI TAPAN KUMAR SEN:** Sir, please. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** No, no, nobody else can speak. ... (Interruptions)... No, no, I can't allow that. ... (Interruptions)... Then, I will have to again allow others also. ... (Interruptions)... No please, don't do that. ... (Interruptions)...

**SHRI TAPAN KUMAR SEN:** Sir, this is a matter of collective understanding. The thing is, the problem with this Women's Reservation Bill is to arrive at a consensus for different reasons. ... (Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** So, now, has he the leave of the House to withdraw Amendment Nos. (218 to 231) except Amendment No. 228? I hope the House agrees. Therefore, Amendments Nos. (218 to 231) except Amendment (No. 228) are withdrawn. Okay.

***The Amendment (Nos. 218 to 231) except Amendment (No. 228) were, by leave, withdrawn.***

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Now, I am putting Amendment (No. 228) to vote. The question is:

228. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

“but regret that there is no mention in the Address about the Government's failure to pass Women Reservation Bill.”

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** I demand division. ...(Interruptions)... Sir, those who wanted it the last time, now they say, 'No'. Let the world see this. ...(Interruptions)... Sir, I want division. ...(Interruptions)...

**THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI GHULAM NABI AZAD):** Mr. Chairman, Sir... ...(Interruptions)...

**THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI ARUN JAITLEY):** Sir, when I already assured my friend that in spirit we all agree with what he is saying. ...(Interruptions)... Ordinarily, we don't amend the President's Address. ...(Interruptions)... That is all. ...(Interruptions)...

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** Sir, I want division. ...(Interruptions)... I want division. ...(Interruptions)...

**SHRI ARUN JAITLEY:** Ordinarily, we don't have voting on the President's Address. ...(Interruptions)... Therefore, please don't press it. But, in principle, we accept it and we will make an effort. ...(Interruptions)...

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** Sir, last year also we had voted. ...(Interruptions)... Sir, I want division. ...(Interruptions)... I think this Government will not bring that. I want division. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Rangarajanji, I am only saying one point. ...(Interruptions)... Let me say. ...(Interruptions)... It is with regard to the Address of the President and it is unusual to have an Amendment,

especially, when the Government is giving an assurance.  
...(Interruptions)...

**श्री नरेश अग्रवाल :** माननीय उपसभापति जी, जब इस सदन ने एक बिल को पास कर दिया, अब इस सदन का तो कोई अधिकार है नहीं, क्यों खामखाह यहां वोटिंग होगी, किसलिए, किसलिए वोटिंग करें? यह तो जबर्दस्ती पोलिटिकल फायदे के लिए राजनीतिक रंग देना चाहते हैं कुछ लोग, जिन्होंने देश बरबाद कर दिया, वे राजनीतिक रंग दे रहे हैं इसके लिए। मैं इसके पक्ष में बिल्कुल नहीं हूँ। इस पर वोटिंग होती नहीं है, परम्परा रही है। किसलिए वोटिंग हो? जबकि यह सदन पास कर चुका है।.....(व्यवधान).....

**SHRI TAPAN KUMAR SEN:** Last time on this, we had voting here in this House on this issue. ...(Interruptions)... So, it is not that कि परम्परा नहीं है। And on subject I differ with Naresh *Bhai*. वह अलग बात है। That the House will decide. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** No; only this much. ...(Interruptions)... The Member has the right to press, I have no problem. ...(Interruptions)... But I am only saying that it is quite unusual to have Amendment to the President's Address. ...(Interruptions)... That is number one. ...(Interruptions)...

**SHRI GHULAM NABI AZAD:** Two times in the past, we had moved an Amendment and the Amendment was carried out. ...(Interruptions)... I think, one of the Amendments was my Amendment. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** But, here, the Government is giving an assurance that they will.... ...(Interruptions)...

**SHRI GHULAM NABI AZAD:** Sir, we have passed this Bill in this House and, in spite of that, they have not taken any step to pass it. ...(Interruptions)...

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** With a huge majority in that House, they were not prepared to pass it. ...(Interruptions)... What prevented them from passing it? ...(Interruptions)...

**SHRI ARUN JAITLEY:** I want the LoP to know that after it was passed in this House, we supported it. And, for three years, you were still in power and did nothing. ...(Interruptions)...

**SHRI GHULAM NABI AZAD:** On this, we didn't have the majority and you have the majority. We were running a coalition Government and some partners of coalition Government did not want it. ...(Interruptions)... We brought that Bill but some coalition partners did not want it because we didn't have the majority in the other House. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** My suggestion is... ...(Interruptions)... My suggestion is... ...(Interruptions)...

**SHRI D. RAJA:** One second, Sir. This House passed the Bill on Women Reservation. It is true that the Rajya Sabha passed it and it has to be taken up in Lok Sabha and passed by the Lok Sabha. ...(Interruptions)... Why is

the delay? ...(Interruptions)... Why is the delay? I am asking all the political parties. The Leader of the House is correct that there is a common understanding but why it is delayed. ...(Interruptions)... Why is it not being taken up? That is what my Amendment says. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** No; it is time for voting. ...(Interruptions)... Now, you sit down. ...(Interruptions)... It is time for voting. Now, the point is, I am only requesting that instead of this kind of an argument, let us all try to pass that Bill, the Women's Reservation Bill.

(CONTD. BY DC/4F)

-RL/DC-SC/4F/5.25

**MR. DEPUTY CHAIRMAN (CONTD.):** All of you should sit together...(Interruptions)..

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** Mr. Deputy Chairman, Sir, I want division on this.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Are you sticking to that?

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** Yes; definitely.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I am putting it to vote. I shall now put the Amendment to vote. Amendment is already read out. You all know the Amendment. I shall now put the Amendment to vote. Do you want division?

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** Yes, Sir.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Okay; let the lobbies be cleared.

**SHRI A. NAVANEETHAKRISHNAN:** Sir, since the Government has given assurance to bring the Bill in Lok Sabha, we are supporting.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** What to do? It is not my job. What can I do? I requested them. What more can I do? I have to go by the rules. I can only request; otherwise, I have to go by the rules. You can pursue the Member. Mr. Navaneethakrishnan, you can pursue the Member even now.

**SHRI T.K. RANGARAJAN:** No, Sir. I want division.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** No, no. I did not talk to you.

(Contd. by KR/4G)

KR/GS/4G/5.30

**MR. DEPUTY CHAIRMAN (CONTD.):** Okay, have the lobbies been cleared? ..(Interruptions).. Please go to your seats. ..(Interruptions).. Please go to your seats. Are Lobbies cleared? ..(Interruptions).. The Secretary-General will explain the voting procedure...(Interruptions)... Order, please. ..(Interruptions).. Sit down. ..(Interruptions).. Order, please. ..(Interruptions).. Order, please...(Interruptions)..

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Now, I put the Amendment No.228 moved by Shri T.K. Rangarajan to vote.

(Continued by 4H/RSS)

RSS/4H/5.35

**SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY:** You are all anti-women.

Thank you!

**THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRIMATI**

**SMRITI ZUBIN IRANI):** Why did you not do it when you were in power?...

(Interruptions)... The whole country has witnessed you...(Interruptions)...You had no courage to do it when you were in power...(Interruptions).

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I am a failure before the shouting of women Members. We are seeing women empowerment in India.

Now, the question is:

228. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—  
“but regret that there is no mention in the Address about the Government’s failure to pass Women Reservation Bill.”

### **The House divided**

Subject to correction, Ayes: 57

Noes: 86

**(Here enter the Division Lists for Ayes and Noes arranged in alphabetical order)**

***The Amendment (No. 228) was negatived.***



**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I shall now take up Amendment (Nos. 232 to 259) by Shri D.Raja. Shri D. Raja, are you pressing your Amendments?

**SHRI D.RAJA (TAMIL NADU):** Sir, among my Amendments, the Amendment (No. 245) was similar to the Amendment which we voted upon. But, among other Amendments, I thought the Prime Minister will squarely respond to certain issues, that is, the increasing attack on the ideals of our Constitution. The Prime Minister did not respond at all. He did not touch upon that point at all, So, I have no other option but to press these Amendments.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** So, I am going to put it to vote. Now, I am putting Amendment Nos. (232 to 259) by Shri D.Raja to vote.

The question is:

232. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—  
"but regret that the Address does not reiterating India's commitment to pursue an independent foreign policy."
233. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—  
"but regret that the Address does not refer to the continuous attack on the ideals enshrined in the Constitution of the country."
234. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—  
"but regret that the Address does not refer to the increasing attack on the constitutional and democratic rights of the citizens."
235. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not refer to the issue of judicial accountability and to the prevailing crisis in judiciary in general and higher judiciary in particular."

236. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not express its serious concern over the increasing incidents of atrocities on people of Dalit communities in the country."

237. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the need to repeal the archaic sedition law which is not needed in the democratic India."

238. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not take note of attempt to take away the land rights of tribals given under the Forest Rights Act to facilitate coal mining in certain tribal villages."

239. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the need to enact a central legislation for the welfare and security of the agricultural workers in the country."

240. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not take note of the attempts to curtail trade union rights of the workers in the name of ease of doing business."

241. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not take note of the prevailing crisis in the agriculture sector and increasing incidents of farmers committing suicide in the country."

242. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the abnormal increase in the Non-Performing Assets (NPAs) of the public sector banks and the need to take stringent measures to recover the defaulted loans from the wilful defaulters particularly in the corporate sector."

243. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not take note of the continuous slow down in the growth rate of economy."

244. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not take note to attract the continuous decline in India's export during the last few years."

245. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the delay in passing the legislation on Reservation for women in the Parliament and State Assemblies."

246. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not take note of the deteriorating quality of education, particularly at the higher level in the country."

247. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the increasing commercialization of education sector making it impossible to get quality education for the common people."

248. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not take note of the deteriorating condition of the public health facilities in the country compelling the poor patients to avail medical treatment from costly private medical institutions."

249. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

- "but regret that the Address does not mention about the increasing incidents of crime against women and children in the country."
250. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—  
"but regret that the Address does not mention about the failure of the government to solve the problem of unemployment particularly of the educated youth in the country."
251. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—  
"but regret that the Address does not mention about the need to recognize the 'scheme workers' numbering a crore in the country mostly women working under various schemes of the Government of India, as workers, as per the recommendations of the 45th Indian Labour Conference making them eligible for PF, ESI and other social security benefits."
252. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—  
"but regret that the Address does not take note of the increasing attacks on the tribal people in the country, particularly in Chhattisgarh."
253. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—  
"but regret that the Address does not take note of the fact decision of demonetization of currency notes of Rs. 500 and Rs. 1000 denominations pushed the economy as well as the common people into a distressful condition."
254. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—  
"but regret that the Address does not take note of the fact that certain right wing forces in the country are trying to destroy the secular-democratic fabric of the country by attacking the Universities, all educational and cultural institutions, freedom of speech, right to dissent, minorities, dalits, tribals and progressive activists."
255. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the diversion of allocations made for sub-plans for Tribals and SC/ST."

256. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the increasing number of derailments in Railways due to deterioration of safety standards and ignoring the recommendations of various reports on accidents in the Railways."

257. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the continued protest of the Ex-service men demanding full implementation of the One-Rank-One Pension (OROP)."

258. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the thousands of villages still remain without electricity in the country."

259. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the disinvestment of the public sector undertakings thereby weakening the fundamentals of the economy."

***The Amendment (Nos. 232 to 259) were negatived.***

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I shall now take up Amendment Nos. (261 to 268) by Shri K. Rahman Khan. Mr. Khan, are you pressing these Amendments?

**SHRI K. RAHMAN KHAN (KARNATAKA):** Sir, I move my Amendment regarding the statement of the President to Parliament that for decades, the

dignity of the Muslim women has remained a captive, political cost benefit. Now, the nation has an opportunity to emancipate them... (Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Now, order please.

**SHRI K. RAHMAN KHAN:** \*

---

**\*Expunged as ordered by the Chair.**

because 1400 years back, this Islam had given dignity for women. Today, don't make it a political issue. You have not studied Islam. We are not in favour of triple talaq. Nowhere, was there triple talaq. It was a convention remaining. After the Supreme Court's decision, it became illegal, unconstitutional. Purposely, deliberately, this Government has brought this Bill. There was no need for this Bill because she remains your wife. Even if you pronounce three talaqs, she remains your wife.

(contd. by 4j/KGG)

KGG-ASC/4S/5.40

**SHRI K. RAHMAN KHAN (contd.):** Then, we had not opposed the Bill. We only wanted discussion. Just now, the hon. Finance Minister and Leader of the House said, 'We will consult on the Women's Bill; we will have a consultation.' Why not on this Bill? Why are you adamant? We are saying that there are many lacunae. It is legislation and please take care. Then we

will legislate it. We want this Bill. We did not say that we don't want this Bill. What we said is that there is a need. It is insulting the community and insulting Islam. Under the Constitutional mechanism, you have to consult; but you have not consulted the Muslim community. You have not consulted the other political parties. You are insisting that...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** So, are you pressing?

**SHRI K. RAHMAN KHAN:** I am pressing for my Amendments.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I shall now put Amendment (Nos. 261 to 268) by Shri K. Rahman Khan to vote. So, the question is:

261. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address fails to mention about the dignity and pride that a Muslim woman enjoys under Shariah Law and has therefore, undermined the status of Muslim women."

262. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the condition of the 85% women from religions other Muslim in the country, who are facing daily harassment and are fighting legal battles after their husbands have deserted them for years without any maintenance and without even giving divorce, and the Government's policy about such women."

263. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address fails to mention that the relaxation given to the women above 45 years of age to perform Haj Pilgrimage in a group of four is as per the new guidelines and exemptions given by the

Saudi Government from the ensuing Haj season and that the Indian Government has adopted the new Saudi policy."

264. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not take notice of the plight of the Muslim women who are socially and educationally backward and have negligible representation in Govt. Services."

265. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address fails to mention the reasons as to why subsidy on Haj had to be abolished with immediate effect and the amount of subsidy Govt. was paying."

266. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not take notice of the increased incidents of Communal violence's in the country."

267. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the alarming financial health of the Indian Banks due to increase in NPA's of the Public and Private sector Banks which according to finance ministry stands at Rs. 7,73,974 crore and Rs. 1,02,808 crore, respectively as on 30.09.2017."

268. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address fails to mention the reasons as to why the Petrol and Diesel prices were not reduced proportionately in spite of a huge fall in the oil prices at the international market."

***The Amendment (Nos. 261 to 268) were negatived.***

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Now, we shall take up Amendment (Nos. 269 to 272) moved by Shri K.K. Ragesh. Mr. Ragesh, are you pressing?



**SHRI K.K. RAGESH:** Sir, I am really concerned about the growing attacks on the freedom of speech and expression. We have seen assault on democracy in our country. Gauri Lankesh, Kalburgi and others have been killed. Media persons are also being killed. Sir, I am pressing for the Amendments.

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I shall now put Amendment (Nos. 269 to 272) by Shri K. K. Ragesh to vote. So, the question is:

269. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that there is no mention in the Address about the growing attack on freedom of speech and expression as manifested in the heinous killings of Gauri Lankesh, Kalburgi, Narender Dhabolkar, Govind Pansare, etc."

270. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that there is no mention in the Address about the drastic cut in subsidies including fertilizers, LPG, Diesel etc."

271. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that there is no mention in the Address about the growing NPA in public sector banks and the government's decision to write off the NPA as book adjustment."

272. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that there is no mention in the Address about the injustice by State Bank of India in imposing fine on poor account holders who are unable to maintain monthly average balance."

***The Amendment (Nos. 269 to 272) were negatived.***

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** We shall now take up Amendment (Nos. 273 to 297) by Shri Motilal Vora. He is not present. He has already moved the Amendments. Therefore, I am putting those Amendments to vote.

***The Amendments (Nos. 273 to 297) were negatived.***

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** We shall now take up Amendment (Nos. 298 to 324) by Shri Husain Dalwai. Mr. Dalwai, are you pressing?

**श्री हुसैन दलवाई :** सर, गौहत्या के नाम पर लोगों के साथ अन्याय हो रहा है और दलितों के ऊपर महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर अन्याय हो रहा है। मैं यहां पर ये बातें रखना चाहता हूं। आज रोड़ज़ के ऊपर बड़े पैमाने पर एक्सिडेंट्स हो रहे हैं, खासकर मुम्बई, गोवा में एक्सिडेंट्स हो रहे हैं। मैं यह अमेंडमेंट प्रेस कर रहा हूं।

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I shall now put Amendment (Nos. 298 to 324) by Shri Husain Dalwai to vote. The question is:

298. That the *end* of the Motion the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about rising intolerance in the form of attacks on minority communities by vigilante groups and failure of government to protect these communities."

299. That the *end* of the Motion the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about attacks on *Dalits* in states like Maharashtra, Gujarat, Rajasthan and Uttar Pradesh."

300. That the *end* of the Motion the following be *added*, namely:—

"but regret that there is no mention in the Address about the inability of the Government to ensure protection of women from sexual and

physical abuse, to utilise the Nirbhaya Fund and to criminalise marital rape."

301. That the *end* of the Motion the following be *added*, namely:—

"but regret that there is no mention in the Address about the failure of the Government in addressing concerns of the transgender community in the Transgender Persons (Protection of Rights) Bill, 2016 and extending reservation benefits to them."

302. That the *end* of the Motion the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the lack of interest of the government to introduce the Women's Reservation Bill on a priority basis."

303. That the *end* of the Motion the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the rising Non-Performing Assets (NPAs), failure of Public Sector Banks to recover these NPAs even though banks go about collecting charges from account holders who are unable to maintain minimum balance."

304. That the *end* of the Motion the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not condemn the inability of the Government to take adequate steps for welfare of unorganized sector workers."

305. That the *end* of the Motion the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention the need to reduce dependence of farmers on informal sources of capital and instead increase access to formal institutionalized source of capital and the need to encourage organised retail to prevent market dominance as well as allow easy access to land through leasing and contract farming models."

306. That the *end* of the Motion the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the fall in prices of crops as well as climate change induced temperature and rainfall ariability affecting farmer's earnings leading to rise in farmer suicides."

307. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about rising income inequality in India."

308. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention the failure of the Government to adequately address the issue of manual scavenging despite the enactment of the Prohibition of Employment as Manual Scavengers and their Rehabilitation act."

309. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention the issue of low adoption rate of technology, in rural areas due to lack of technology enablers, which is making schemes related to e-health, e-governance, e-education and e-commerce ineffective."

310. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the problem of malnutrition faced by India, which ranks 100 out of 119 countries on the Global Hunger Index."

311. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention that while providing Constitutional status to the National Commission of Backward Classes, there are apprehensions over diluting the existing powers of the Commission."

312. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention the attempts being made to dilute the protection provided to tribals under the Forest Rights Act, through several measures, for instance by delay for the

formulation of rules under the Compensatory Afforestation Fund Act, 2016."

313. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not condemn the mistreatment of activists protesting against increasing height of Sardar Sarovar Dam and displacement of several people without adoption of adequate rehabilitation measures."

314. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about attacks on free speech and the inability of the Government to protect journalists, RTI activists, whistleblowers who stand for free speech."

315. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address fails to mention that the introduction of electoral funds will adversely affect transparency in election funding and strengthen the business political nexus."

316. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the lack of steps taken to ensure preparedness and build capacity to deal with natural disasters of many states suffered immense loss of life and property due to Cyclone Ockhi, one of the most intense cyclones in the country, due to their unpreparedness."

317. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about the failure of the Government to stabilize the situation in Jammu and Kashmir and the lack of clarity with respect to the role of representative of the Indian Government appointed to conduct talks with different stakeholders."

318. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention that India is one of the four worst performing countries (ranked 177 out of 180 countries) in the Environmental Performance Index 2018."

319. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention the increasing number of road accidents and inadequate measures to upgrade quality of roads and incomplete and slow construction work on NH-66, connecting Mumbai to Goa, which has caused several road accidents killing many people every year."

320. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention that anganwadi workers are not receiving timely payment of wages."

321. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention the issues faced due to linkage of Aadhaar, including security issues like bank frauds, authentication failures leading to exclusion deaths and disruptions in availability of entitlements under various welfare schemes."

322. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention the increasing train accidents, poor railway infrastructure and inadequate investment in safety as in a short period of 1 August and 30 November, 2017, 30 train accidents killed 35 people and injured more than 180 people resulting in the highest death toll from train derailments in 2016-17."

323. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention about high rates of GST on basic necessities like sanitary napkins and assistance devices for persons with disabilities."

324. That at the *end* of the Motion, the following be *added*, namely:—

"but regret that the Address does not mention the insufficient investment in welfare of fishermen to create necessary infrastructure and protect their rights and interests."

***The Amendment (Nos. 298 to 324) were negatived.***

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Now I shall put the Motion to vote.

The question is:

“That an Address be presented to the President in the following terms—

'That the Members of the Rajya Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the President for the Address which he has been pleased to deliver to both Houses of Parliament assembled together on January 29, 2018.'”

***The motion was adopted.***

(Ends)

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Let the lobbies be cleared.

(Followed by KLS/4K)

KLS/4K-5.45

**STATUTORY RESOLUTION RE: INCREASING RATE OF BASIC  
CUSTOMS DUTY (BCD) ON CHANA (CHICKPEAS)**

&

**THE UNION BUDGET, 2018-19**

**THE MINISTER OF FINANCE (SHRI ARUN JAITLEY):** Sir, I move that:

"In pursuance of Section 8A (1) of the Customs Tariff Act, 1975, read with sub-section (3) of Section 7 of the said Act, this House hereby

approves of Notification No.25/2018-Customs, dated 6th February, 2018 which seeks to increase the rate of basic customs

duty (BCD) on chana (chickpeas) falling under tariff item 0713 20 00, of the Customs Tariff Act from 30% to 40%.”

***The questions were proposed.***

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Along with the Budget, you can speak about the Resolution also. Now, we will take up discussion on the Union Budget 2018-19 and Resolution also you can discuss. ...(Interruptions)... Hon. Shri P. Chidambaram. ...(Interruptions)... No, no. ...(Interruptions)... That was only assured. ...(Interruptions)... What is your problem? ...(Interruptions).. Order, please. ...(Interruptions).. You please take your seats. ...(Interruptions)... All of you please sit down. ...(Interruptions)... What is this? ...(Interruptions)... This is bad. ...(Interruptions)... You raised this issue yesterday. ...(Interruptions).. You listen. ...(Interruptions)... The Chair was also very sympathetic to you. ...(Interruptions).. Listen to me. ...(Interruptions)... Please listen. ...(Interruptions)... Please sit down. Already I am not well. ...(Interruptions)... Treasury Benches, please sit down. ...(Interruptions)... Already my throat is agitated. ...(Interruptions)... That is why I cannot shout now. ...(Interruptions)... Please listen to me.



...(Interruptions)... Mr. Ramesh, you are my friend. All the three, you are my friends. ...(Interruptions)... Yesterday, you raised it. ...(Interruptions)... Listen. ...(Interruptions).. I also, from the Chair, supported you. ...(Interruptions)... I said ...(Interruptions)... You are not allowing me to speak. ...(Interruptions)... If you don't want to listen me, then what will I do? ...(Interruptions)... You please listen. Yesterday you raised this issue. ...(Interruptions)... Yesterday, you raised this issue. ...(Interruptions)...

**SHRI JAIRAM RAMESH:** In the morning, Mr. Ramachandra Rao was asked to leave. ...(Interruptions)... Why don't you name them, Sir?

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I know what to do. ...(Interruptions)... Let me solve it. ...(Interruptions)... Mr. Ramesh, are you ready to listen to me? ...(Interruptions)... All the three, are you ready to listen to me? Treasury Benches also, please listen. ...(Interruptions)... Yesterday the question of Andhra Pradesh Division and the assurance given at that time was raised by these three hon. Members. They came to the Well, they were agitated. From the Chair also, I supported them actually. I said that an assurance was given, while I was sitting in the Chair, by the then Government. So, I also supported. The Government was very considerate. Hon. Finance Minister and Leader of the House stood up and gave you an assurance. If you think that in one day the assurance will be implemented, you are in fools' paradise

then. How can it be? ...(Interruptions)... You go back to your seats.  
...(Interruptions)... No question, go back to your seats. ...(Interruptions)...  
No, no, you have to go back to your seats. ...(Interruptions)... I tell you, you  
are assured of action, so you go back to your seats. ...(Interruptions)...  
Please go back to your seats. ...(Interruptions)... Mr. Ramesh, you please  
don't do this.

(Contd by 4L/SSS)

SSS-KLG/4L/5.50

**MR. DEPUTY CHAIRMAN (CONTD.):** Please go back to your seats. Shri  
Ramesh, it is my advice to you. Don't make me take action against you. I  
know this is a burning issue. ...(Interruptions)... If you do not go back to  
your seats, I will have to take action. Yesterday I did what I could do for  
you. Yesterday the Government gave you an assurance. ...(Interruptions)...  
Please go back to your seats. ...(Interruptions)...

**श्री नरेश अग्रवाल:** लेकिन बजट में प्रोविजन ही नहीं है।

**श्री उपसभापति:** नरेश जी, इनको बुलाइए।

**श्री नरेश अग्रवाल:** नहीं, नहीं। इनके साथ गलत हो रहा है। ...(व्यवधान)...

**SHRI JAIRAM RAMESH:** Why was Dr. Ramachandra Rao named and they  
are not being named? Why this double standard? ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I will have to name you. This is my humble request. Please go back to your seats. ...(Interruptions)... How much time I need! Why are you asking me? ...(Interruptions)... You listen to Rule 255. I will read it out. You should know this rule. ...(Interruptions)... You do one thing. You give notice. I will convey your feelings to the hon. Chairman. ...(Interruptions)... You give notice. I will convey your feelings to the hon. Chairman. Do you want me to invoke Rule 255? ...(Interruptions)... Don't make me do that. ...(Interruptions)... Please go back to your seats.

**SHRI JAIRAM RAMESH:** If you want justice, you withdraw support, Shri Ramesh. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** You please go back to your seats.

**THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI GHULAM NABI AZAD):** Sir, in the afternoon, one of our MPs was doing this. We did not allow him to do that. ...(Interruptions)... We allowed the Chairman to take action. ...(Interruptions)...

(Contd. by NBR/4W)

-SSS/NBR-AKG/4M/5.55

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Mr. Ramesh, now, you go back to your seats. ...(Interruptions)... Mr. Ramesh, don't do that. ...(Interruptions)... Mr. Ramesh, please go back to your seats. ...(Interruptions)... Otherwise, I will have to invoke Rule 255. ...(Interruptions)...

**श्री नरेश अग्रवाल :** सर, रूल 255 में क्या होता है?

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I am going to invoke Rule 255.

...(Interruptions)... Rule 255 says, 'the Chairman may direct...'

...(Interruptions)... See, I am going to invoke Rule 255. ...(Interruptions)...

**SHRI KIRANMAY NANDA:** Sir, you adjourn the House. ...(Interruptions)...

**SHRI D. RAJA:** Sir, you adjourn the House. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Mr. Chidambaram, do you want to speak?

...(Interruptions)...

**SHRI P. CHIDAMBARAM:** Sir, how can I speak in the din?

...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** What to do? ...(Interruptions)...

**THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI GHULAM NABI AZAD):** Sir, in the

morning, one of our Members was sitting in the Well of the House.

...(Interruptions)... So, I requested the hon. Chairman that he can take any

action according to Rules, because my party is not responsible for his

conduct and behaviour. ...(Interruptions)... So, we requested the hon.

Chairman and he warned him. Otherwise, we agreed to throw him out.

...(Interruptions)... So, there cannot be two formulae. ...(Interruptions)...

And, our speaker cannot speak in this din. ...(Interruptions)...

**श्री नरेश अग्रवाल :** सर, रूल 255 क्या है? आप पढ़ दीजिए।

**THE MINISTER OF RAILWAYS AND MINISTER OF COAL (SHRI PIYUSH**

**GOYAL):** Sir, this is exactly what the Congress Party did in the other House.

...(Interruptions)... They did not allow the hon. Prime Minister to speak.

And, here, they are giving us sermons! ...(Interruptions)... This is exactly

what the Congress Party did in the other House. ...(Interruptions)...

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** Now, all of you sit down. ...(Interruptions)...

See, I am going to invoke Rules 255. ...(Interruptions)... I am going to

invoke Rule 255. ...(Interruptions)... I am going to read the Rule first.

...(Interruptions)...Please stop this. ...(Interruptions)...Please stop

shouting. ...(Interruptions)...I am asking you to stop this.

...(Interruptions)... What are you doing? ...(Interruptions)... Is it a fish

market? ...(Interruptions)...No, no. I will not allow. ...(Interruptions)...

Yesterday, I gave you all freedom and the Minister gave an assurance.

...(Interruptions)... Now, please listen to me. ...(Interruptions)... My request

is, either you go to your seats or I will have to take action.

...(Interruptions)... It is my request. ...(Interruptions)... I am requesting you.

...(Interruptions)... I am invoking Rule 255. ...(Interruptions)...

**श्री नरेश अग्रवाल :** उपसभापति जी, आन्ध्र प्रदेश का मसला चेयरमैन साहब को बता दीजिए।

**MR. DEPUTY CHAIRMAN:** I am reading Rule 255. It says, 'The Chairman may direct any member whose conduct is in his opinion grossly disorderly to withdraw immediately from the Council and any member so ordered to withdraw shall do so forthwith and shall absent himself during the remainder of the day's meeting.' ...(Interruptions)... I am first naming Shri C. M. Ramesh. ...(Interruptions)... I am asking you, Mr. Ramesh, under Rule 255, to withdraw from the House. ...(Interruptions)... Mr. Ramesh, look at me. I am asking you to leave the House under Rule 255. ...(Interruptions)... You have to abide. You have to go out. ...(Interruptions)... You go out. ...(Interruptions)...No, no. I cannot allow. ...(Interruptions)... Mr. Ramesh has to go out; either he will go out, or, he will have to be removed. ...(Interruptions)...

(CONTD. BY USY/4N)